



नेपाल राजपत्र

नेपाल सरकारद्वारा प्रकाशित

खण्ड ६५) काठमाडौं, कात्तिक १४ गते, २०७२ साल (अतिरिक्ताङ्क १८८)

भाग ४

व्यवस्थापिका-संसद सचिवालयको सूचना

नेपालको संविधानको धारा २९७ को उपधारा (३) बमोजिम मिति २०७२ साल कात्तिक १४ गते सम्पन्न उपराष्ट्रपति पदको निर्वाचनमा रोल्पा जिल्ला राइसी गा. वि. स. वडा नम्बर ९ बस्ने वर्ष ५० का श्री नन्द वहादुर पुन नेपालको उपराष्ट्रपति पदमा निर्वाचित हुनु भएकोले व्यवस्थापिका-संसदको अन्तरिम कार्यविधि, २०७२ को दफा ३७ को उपदफा (२) को प्रयोजनको लागि यो सूचना प्रकाशन गरिएको छ।

आज्ञाले,
मनोहरप्रसाद भट्टराई
व्यवस्थापिका-संसदको महासचिव

मुद्रण विभाग, सिंहदरबार, काठमाडौंमा मुद्रित। मूल्य रु. ५१-

गो.हु.द.नं. १६१२०६२६३

1442



रक्षा मंत्रालय

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद

संख्या: १००१ (१००१) दिनांक: १०/०१/०१

४ भाग

संयुक्त विभाग-सुरक्षा

श्रीमान् (१) श्रीमान् (२) श्रीमान् (३) श्रीमान् (४) श्रीमान् (५) श्रीमान् (६) श्रीमान् (७) श्रीमान् (८) श्रीमान् (९) श्रीमान् (१०) श्रीमान् (११) श्रीमान् (१२) श्रीमान् (१३) श्रीमान् (१४) श्रीमान् (१५) श्रीमान् (१६) श्रीमान् (१७) श्रीमान् (१८) श्रीमान् (१९) श्रीमान् (२०) श्रीमान् (२१) श्रीमान् (२२) श्रीमान् (२३) श्रीमान् (२४) श्रीमान् (२५) श्रीमान् (२६) श्रीमान् (२७) श्रीमान् (२८) श्रीमान् (२९) श्रीमान् (३०) श्रीमान् (३१) श्रीमान् (३२) श्रीमान् (३३) श्रीमान् (३४) श्रीमान् (३५) श्रीमान् (३६) श्रीमान् (३७) श्रीमान् (३८) श्रीमान् (३९) श्रीमान् (४०) श्रीमान् (४१) श्रीमान् (४२) श्रीमान् (४३) श्रीमान् (४४) श्रीमान् (४५) श्रीमान् (४६) श्रीमान् (४७) श्रीमान् (४८) श्रीमान् (४९) श्रीमान् (५०) श्रीमान् (५१) श्रीमान् (५२) श्रीमान् (५३) श्रीमान् (५४) श्रीमान् (५५) श्रीमान् (५६) श्रीमान् (५७) श्रीमान् (५८) श्रीमान् (५९) श्रीमान् (६०) श्रीमान् (६१) श्रीमान् (६२) श्रीमान् (६३) श्रीमान् (६४) श्रीमान् (६५) श्रीमान् (६६) श्रीमान् (६७) श्रीमान् (६८) श्रीमान् (६९) श्रीमान् (७०) श्रीमान् (७१) श्रीमान् (७२) श्रीमान् (७३) श्रीमान् (७४) श्रीमान् (७५) श्रीमान् (७६) श्रीमान् (७७) श्रीमान् (७८) श्रीमान् (७९) श्रीमान् (८०) श्रीमान् (८१) श्रीमान् (८२) श्रीमान् (८३) श्रीमान् (८४) श्रीमान् (८५) श्रीमान् (८६) श्रीमान् (८७) श्रीमान् (८८) श्रीमान् (८९) श्रीमान् (९०) श्रीमान् (९१) श्रीमान् (९२) श्रीमान् (९३) श्रीमान् (९४) श्रीमान् (९५) श्रीमान् (९६) श्रीमान् (९७) श्रीमान् (९८) श्रीमान् (९९) श्रीमान् (१००)

SA 111443